BA 1st year राजनीतिक सिद्धांत

Political Theory (Major Subject)

अब होगी BA के साथ UPSC व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी | BA के नियमित एवं प्राइवेट छात्रो हेतु उपयोगी कक्षाए

LODHAJI CLASSES

Class - 07

Based on New Education Policy

राज्य की उत्पत्ति का विकासवादी सिद्धांत

Evolutionary Theory of State

By Lodhaji sir

Free Compelet BA on Youtube With Notes

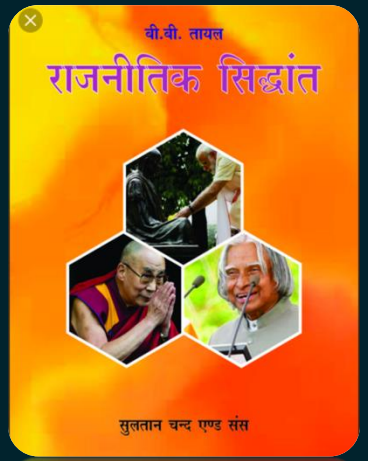
वी.वी. तायल
राजनीतिक सिद्धांत
सुलतान चन्द एण्ड संस

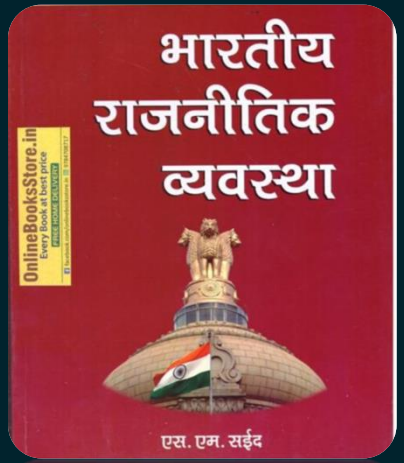
भारतीय
राजनीतिक
व्यवस्था
OnlineBooksStore.in
Every Book at best price
एस. एम. सईद

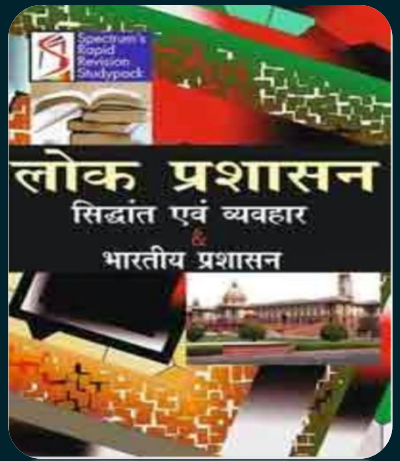
Spectrum's Rapid Revision Studypack
लोक प्रशासन
सिद्धांत एवं व्यवहार
&
भारतीय प्रशासन

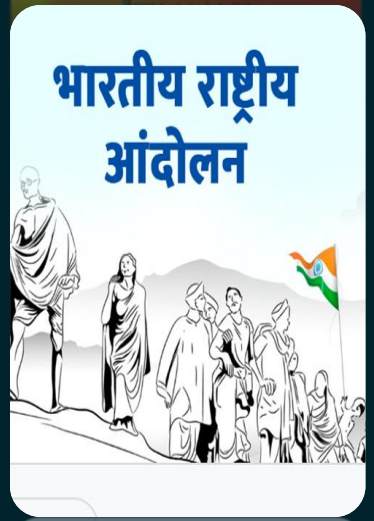
भारतीय राष्ट्रीय
आंदोलन

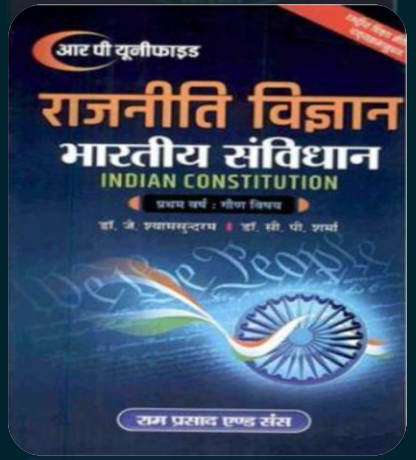
आर पी यूनीफाइड
राजनीति विज्ञान
भारतीय संविधान
INDIAN CONSTITUTION
प्रथम वर्ष : मौख विषय
डॉ. जे. श्यामसुन्दरम • डॉ. सी. पी. शर्मा
राम प्रसाद एण्ड संस

प्रज्ञान हिंदी

प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी करने के लिए नए YouTube चैनल "प्रज्ञान हिंदी" को Join करे

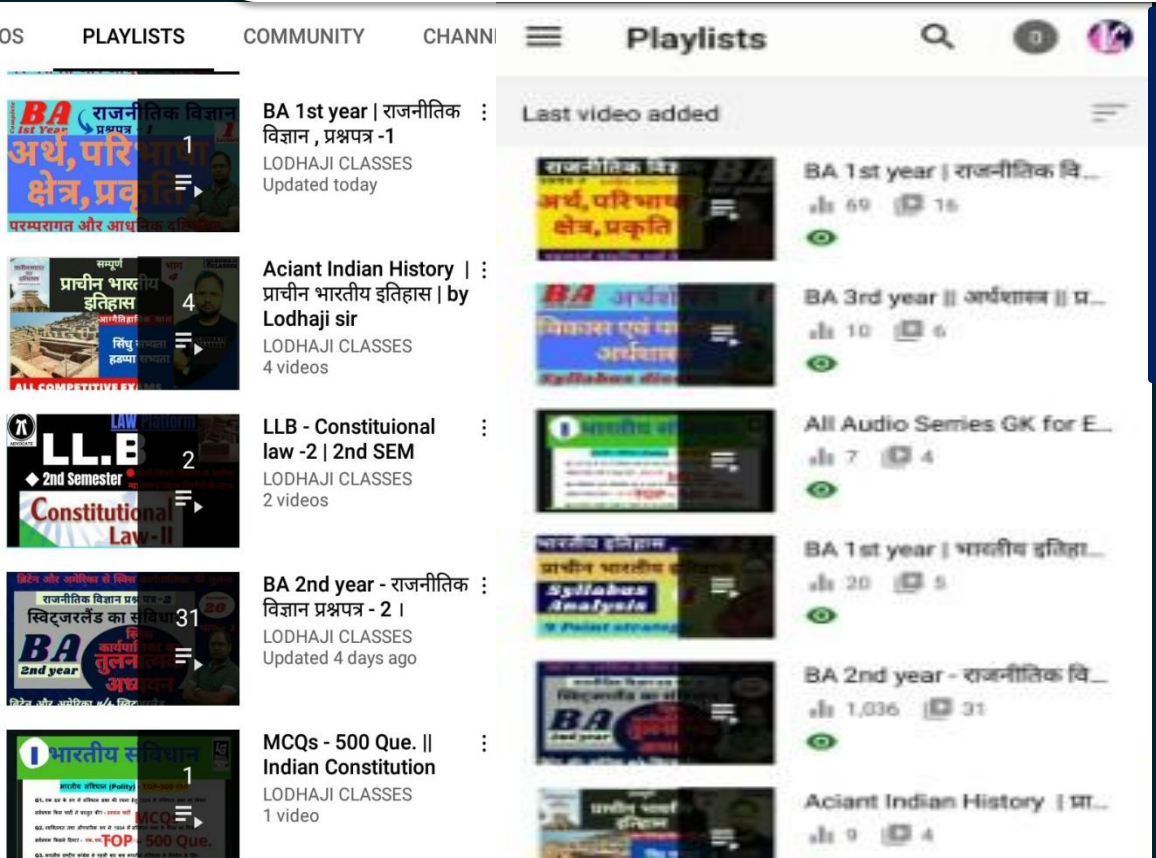

UPSC, PSC, Railway, SI, Banking, SSC, POLICE

Unit - 2 (राज्य की अवधारणा)

1. राज्य को परिभाषित करना, राज्य के तत्व !
2. राज्य की उत्पत्ति के सिद्धांत।
3. राज्य की प्रकृति का बदलता स्वरुप।

1. व्याख्या
2. राज्य के विकास के तत्व

BA On Youtube

राज्य का विकासवादी सिद्धांत / Evolutionary Theory of State

1. व्याख्या

- राज्य की ***उत्पत्ति*** के संबंध में ***देवी सिद्धांत, शक्ति सिद्धांत, सामाजिक समझौता सिद्धांत, पैतृक सिद्धांत और मात्रक सिद्धांत*** प्रमुख है।
- लेकिन ***राज्य की उत्पत्ति की व्याख्या*** के रूप में इनमें से किसी भी सिद्धांत को स्वीकार नहीं किया जा सकता।
- ***देवीय सिद्धांत, शक्ति सिद्धांत और समझौता सिद्धांत*** में एक बात समान रूप से पाई जाती है कि *राज्य का एक विशेष समय पर निर्माण* किया गया है।
- किंतु वास्तव में राज्य का निर्माण नहीं किया गया बल्कि, यह तो निरंतर विकास का परिणाम है।

राज्य का विकासवादी सिद्धांत / Evolutionary Theory of State

- **गार्नर** - राज्य ना तो ईश्वर की सृष्टि है, ना वह उच्च कोटि के शारीरिक बल का परिणाम है, ना किसी प्रस्ताव या समझौते की कृति है और ना ही परिवार का विस्तृत रूप है। यह तो क्रमिक विकास से उदित एक ऐतिहासिक संस्था है।

✓ इस सिद्धांत के अनुसार राज्य का विकास एक लंबे समय से चला आ रहा है और आदि कालीन समाज से क्रमिक विकास करते-करते इसने वर्तमान राष्ट्रीय राज्य के स्वरूप को प्राप्त किया है।

2. राज्य के विकास के तत्व

- राज्य के विकास में सहायक प्रमुख तत्व –
  - 1. रक्त संबंध।
  - 2. मनुष्य की स्वाभाविक सामाजिक प्रवृत्तिया।
  - 3. धर्म।
  - 4. शक्ति।
  - 5. आर्थिक गतिविधियां।
  - 6. राजनीतिक चेतना।

2. राज्य के आवश्यक तत्व

1) रक्त संबंध

- सामाजिक संगठन का प्राचीनतम रूप रक्त संबंध पर आधारित था और रक्त संबंध एकता का प्रथम और अंतिम बंधन रहा है।
- यह प्रश्न विवादास्पद है कि कबीला, कुल या परिवार में पहले कौन अस्तित्व में आया। लेकिन इसे अस्वीकार नहीं किया जा सकता है कि परिवार के स्पष्ट व्यक्ति नियंत्रण के आधार पर ही राज्य की स्थापना हुई होगी।
- ***मेकाइवर के अनुसार*** - रक्त संबंध समाज को जन्म देता है और कालांतर में समाज राज्य को।

2) मनुष्य की स्वाभाविक सामाजिक प्रवृतियां

- मनुष्य स्वभाव से भी एक सामाजिक व राजनीतिक प्राणी है और समूह में रहने की प्रवृत्ति ने हीं राज्य को जन्म दिया है।
- समाज के साथ-साथ रहते हुए जब विभिन्न प्रकार के विवाद उत्पन्न हुए, तो इन विवादों को दूर करने के लिए एक संप्रभुता संपन्न राजनीतिक संस्था की आवश्यकता समझी गई और राज्य का उदय हुआ।

2. राज्य के विकास के तत्व

3) धर्म

- रक्त संबंध की तरह ही धर्म का भी राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण योग रहा है। राज्य के विकास कार्य में रक्त संबंध और धर्म परस्पर घनिष्ठ रूप से संबंधित रहे हैं।
- वस्तुतः प्रारंभिक समाज में रक्त संबंध और धर्म एक ही वस्तु के दो पहलू थे और दोनों परिवार तथा कबीलों को परस्पर जोड़ने का कार्य साथ साथ ही करते थे।

4) शक्ति

- राज्य के विकास में शक्ति या युद्ध का भी विशेष महत्व रहा,
- पहले सामाजिक व्यवस्था थी, जिसे राजनीतिक व्यवस्था में बदलने का कार्य युद्ध द्वारा ही किया गया !

5) आर्थिक गतिविधियां

❑ *आदिकाल से लेकर अब तक मनुष्य 4 आर्थिक अवस्थाओं से गुजरा है -*

प्रथम - आखेट अवस्था ! आजीविका - शिकार ! मनुष्य का जीवन - अस्थिर, असंगठित और भ्रमणशील था।

द्वितीय - पशुपालन अवस्था ! जीवन - भ्रमण शील , किंतु सामूहिकता और संगठन का विकासन !

तृतीय - जीवन का आधार - कृषि ! स्थाई निवास।
इससे निजी संपत्ति का उदय हुआ। समाज में वर्ग पैदा हो गए और संघर्ष बड़े। ऐसी स्थिति में कानून, न्यायालय और राजनीतिक सत्ता की स्थापना हुई।

चतुर्थ - औद्योगिक अवस्था ! राष्ट्रीय राज्यों का उदय। आर्थिक विकास के साथ मनुष्य के राजनीतिक संगठन में भी परिवर्तन हुए हैं !
राज्य के विकास पर आर्थिक गतिविधियों के प्रभाव का यह स्पष्ट प्रमाण है।

2. राज्य के विकास के तत्व

6) राजनीतिक चेतना

- अनेक विद्वानों के अनुसार राज्य के विकास में राजनीतिक चेतना ने सर्वाधिक महत्वपूर्ण तत्व के रूप में कार्य किया।

- जब व्यक्ति किसी निश्चित स्थान में बस गए और आजीविका के स्थाई साधन प्राप्त कर लिए गए, तो उनकी यह स्वाभाविक इच्छा और चिंता हुई कि, दूसरे लोग उनके साधनों को हड़पना ले।
- परिणाम स्वरूप नियम की आवश्यकता अनुभव की जाने लगी और यही राजनीतिक चेतना का मूल था।

Next Session will be on...

राज्य की उत्पत्ति का सवयव सिद्धांत

THANK YOU

New way of Learning….
https://t.me/lodhajiclasses

सभी क्लास नोट्स के
pdf download
करने हेतु join करे

Telegram

Link
LODHAJI CLASSES

प्रज्ञान
हिंदी